This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **6186**

Unique Paper Code : **210501** **G**

Name of the Paper : **Text of Indian Philosophy-I**

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी **या** हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Explain how Nagarjuna applies *catuskoti* in the examination of *Nirvana.*

निर्वाण की परीक्षा में नागार्जुन किस प्रकार चतुष्कोटि का प्रयोग करते हैं ? व्याख्या कीजिए।

P.T.O.

2. Discuss how the *Mahayana* interpretation of *Pratityasamutpada* is different from that of *Hinayana.*

प्रतीत्यसमुत्पाद की महायान की व्याख्या, हीनयान की व्याख्या से किस प्रकार भिन्न है ? चर्चा कीजिए।

3. Write an essay on Nagarjuna's dialectic.

नागार्जुन की द्वन्द्वात्मक पद्धति पर एक निबंध लिखिए।

4. Critically evaluate Nagarjuna's doctrine of *Sunyata.*

नागार्जुन के शून्यता-सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

5. "There absolutely are no things

Nowhere and more, that arise (a new)

Neither out of themselves, nor out of non-self

Nor out of both, nor at random." — Explain.

"न स्वतों नापि परतों न द्वाभ्यां नाप्यहेतुतः।

उत्पन्ना जातु विद्यन्ते भावाः क्वचन केचन ॥" – व्याख्या कीजिए।

6. Write an essay on the Madhyamika's understanding of *Nihsvabhavata.*

माध्यमिक के निःस्वभावता संबंधी विचार पर एक निबन्ध लिखिए।

7. "The bliss consists in the cessation of all thought in the quiescence of plurality. No separate reality was preached at all. Nowhere and none by Buddha." Discuss.

"सर्वोपलभ्भोपशमः प्रपच्चोपशमः शिवः न क्वचित् कस्यचित् कश्चिद् धर्मो बुद्धेन देशितः।" चर्चा कीजिए।

8. Write short notes on any *two* of the following :

(*a*) *Dharma nairatmya* and *pudgala nairatmya*

(*b*) *Avyākrta Prasna* (Indeterminate questions)

(*c*) *Samvrtti Satya* and *Parmarthika Satya*

(*d*) *Boddhisattva.*

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(अ) धर्म नैरात्म्य और पुद्गल नैरात्म्य

(ब) अव्याकृत प्रश्न

(स) संवृत्ति सत्य और पारमार्थिक सत्य

(द) बोधिसत्व।